माउंट आबू, 27 जून। युवा शक्ति विकास, सदभावना जागृति, मूल्यनिष्ठ समाज में युवाओं का दायित्व को लेकर प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्वविद्यालय के युवा प्रभाग द्वारा प्रभाग की रजत जयंती के उपलक्ष्य में आयोजित की गई सदभावना दौड़ में 2 हजार 500 से भी अधिक युवाओं ने भाग लिया।

ब्रह्माकुमारी संगठन के अंतराष्ट्रीय मुख्यालय पाण्डव भवन परिसर स्थित ओम शांति भवन से रविवार प्रातः सात बजे संगठन की मुख्य प्रशासिका राजयोगिनी दादी जानकी, एन.सी.सी ग्रपु मुख्यालय जोधपुर ग्रुप कमांडर कर्नल डी.एस. लोहमरोर, संगठन की अतिरिक्त मुख्य प्रशासिका राजयोगिनी दादी हृदयमोहिनी, पालिका अध्यक्ष जालमगिरी ने युवा प्रभाग के एक्जिक्युटिव सदस्य बी के ललित को मशाल देकर, एनसीसी केडेटस को राष्ट्रीय ध्वज देकर सदभावना दौड़ आरंभ करवाई।

साहसी युवाओं ने ओम शांति भवन से सदभावना दौड़ आरंभ की। देखते ही देखते ही अढाई हजार युवाओं के कदम निर्धारित मार्ग की ओर बढ़ते गए। जो अधरदेवी, बीकानेर हाउस, देलवाड़ा चौंक, एयरफोर्स चौंक, एयरफोर्स स्टेशन, रोटरी स्कूल, गुजरात सर्कट हाउस, कुम्हारवाड़ा, कांजीहाउस, टेलीफोन एक्सचेंज, सीआरपी गेट, चाचा म्युजियम चौंक, एमके चौंक, नक्की मार्केट, भारत माता नमनस्थल, एहसान अलीशाह दरगार, मिनिस्टर कॉटेज आदि विभिन्न क्षेत्रों से होते हुए पुनः ओम शान्ति भवन में पहुंची।

राष्ट्रीय एकता, अखंडता, भाईचारे व सदभावना का संदेश देने को लेकर छह किलोमीटर की युवतियों की दौड़ में एनसीसी केडेटस गीता ने 29 मिनट में पहला, आबूरोड़ की सोनल ने 30 मिनट में दूसरा, ग्लोबल अस्पताल माउंट आबू की संध्या ने 31 मिनट में तीसरा स्थान प्राप्त किया। युवकों की दौड़ में माउंट आबू के सुनील लोवानिया ने 22 मिनट 13 सेकेंड में पहला स्थान प्राप्त किया। मुनिन सिंह ने 22 मिनट 30 सेकेंड में ने दूसरा और सतीश वैष्णव ने 24 मिनट में तीसरा स्थान प्राप्त करने सफलता प्राप्त की। आस्ट्रेलिया से आईबी के सोना बहन अमेरिका की ऐनी बहन ने भी दौड़ में भाग लेकर सदभावना दर्शाई। सदभावना दौड़ में सबसे कम उम्र की छह वर्षीय दिशा सोनी, सबसे अधिक उम्र 80 वर्षीय ब्रह्माकुमार भूपसिंह आकर्षण का केंद्र रहे।

सदभावना दौड़ को देखने के लिए मार्ग के दोनों ओर जगह-जगह भारी संख्या में स्थानीय नागरिकों व देशी विदेशी पर्यटकों की अथाह भीड़ उमड़ पड़ी जो तालियां बजाकर धावकों का उमंग उत्साह बनाने में अहम भूमिका अदा कर रहे थे।

माउंट आबू, 27 जून। मॉरिशियस उच्चायुक्त मुकेश्वर चुन्नी ने कहा है कि वर्तमान परिवेश में देश की युवा शक्ति का चरित्र निर्माण एक महत्वपूर्ण आवश्यकता है। श्रेष्ठ चरित्र ही युवा शक्ति की पहचान है। यह बात उन्होंने रविवार को मुख्य अतिथि की हैसियत से ब्रह्माकुमारी संगठन के युवा प्रभाग की रजत जयंती के उपलक्ष्य में ओम शांति भवन में आयोजित राष्ट्रीय एकता युवा सदभावना दौड़ के उदघाटन अवसर पर उपस्थित समुदाय को संबोधित करते हुए कही।

उन्होंने कहा कि युवा स्वयं अपने आप में एक लीडर है। युवाओं की ऊर्जा समस्त संसार प्रकाशित कर सकती है। युवा में चटटानी समस्याअें के पहाड़ को लांघने की अथाह क्षमता है। युवा अपनी सकारात्मक भावनाओं को हर मनुष्य के अंतःकरण में उतारकर समाज को शांति का पाठ पढ़ाने में सक्षम है।

ब्रह्माकुमारी संगठन की मुख्य प्रशासिका राजयोगिनी दादी जानकी ने कहा कि आज का युवा अपनी प्राचीन दैवीय संस्कृति के स्वमान को भूल बैठा है। भारत देश देव भूमि व महापुरूषों की भूमि रहा है जिसने विश्व के आगे त्याग, चरित्र एवं अनुशासन की मिसाल कायम की है। राष्ट्र विकास की यात्रा के मुख्य कर्णधार युवा यदि

pdfMachine
A pdf writer that produces quality PDF files with ease!
Produce quality PDF files in seconds and preserve the integrity of your original documents. Compatible across nearly all Windows platforms, if you can print from a windows application you can use pdfMachine.
Get yours now!

आध्यात्मिक शक्ति से जुड़ जाएं तो उनके अंदर विश्व शान्ति व मानवीय एकता, सदभावना के बीज अंकुरित होने से भारत पुनः स्वर्णिम बन जाएगा।

मध्यप्रदेश राज्य सामान्य निर्धन वर्ग कल्याण आयोग अध्यक्ष बाबूलाल जैन ने कहा है कि आध्यात्मिकता से परिपूर्ण वैचारिक धरातल वाले युवा ही जन जन को सामाजिक कुरीतियों का सामना करने की शक्ति देते हुए राष्ट्रीय एकता व अखंडता को सुदृढ़ बनाने में सक्षम होते हैं। मातृभूमि के प्रति ममता, राष्ट्र के प्रति श्रद्धा, विकराल समस्याओं को पार करने का अदम्य साहस लिए युवा एकमत हो जाएं तो परिवार, समाज, देश व विश्व का कायाकल्प करने में कोई देर नहीं लगेगी।

रानीवाड़ा विधायक रतन देवासी ने कहा कि श्रेष्ठ चरित्रवान युवा ही देश की संपति है जिस देश का युवा अपनी शक्ति व प्रतिभा का उपयोग करते हुए सकारात्मक दिशा एवं नवनिर्माण में लगाता है वही देश प्रगति के शिखर को छूता है। युवा उस महान शक्ति का नाम है जो विकराल समस्याओं को पार करने का अदम्य साहस रखता है। ब्रह्माकुमारी संगठन का हर सदस्य शांतिदूत की भूमिका निभा रहा है। संगठन की ओर से युवाओं की प्रतिभाओं को तराशकर समाज को नई दिशा देने का जो महान कार्य किया जा रहा है निःसंदेह वह समूचे विश्व के लिए उदाहरणमूर्त है।

खेल प्रभाग राष्ट्रीय संयोजिक बी के शशि बहन ने कहा कि आज के प्रतिस्पर्धात्मक महौल में युवा के आगे चुनौतियां अधिक हैं ऐसे समय में उसे जरूरत है आध्यात्मिक शक्ति को जीवन में लाने की। प्रभाग एक्जिक्युटिव सदस्य बी के ललित ने प्रभाग की गतिविधियों पर विस्तारपूर्वक प्रकाश डाला। एन.सी.सी ग्रपु मुख्यालय जोधपुर ग्रुप कमांडर कर्नल डी.एस. लोहमरोर, पालिका अध्यक्ष जालमगिरी, राजनीतिक सेवा प्रभाग अध्यक्ष बृजमोहन ने भी विचार व्यक्त किए।

मुख्य अतिथियों की ओर से सदभावना दौड़ के विजेताओं को पुरूस्कृत किया गया। लिटिल फ्लॉवर स्कूल के बच्चों ने देशभक्ति नृत्य व गान के साथ दर्शकों की खूब वाहवाही लूटी। कार्यक्रम में एनसीसी केडेटस, विभिन्न संगठनों, होस्टलों व स्कूलों के बच्चे, खेल प्रेमी और बड़ी संख्या में गणमान्य नागरिक उपस्थित थे।

pdfMachine
A pdf writer that produces quality PDF files with ease!
Produce quality PDF files in seconds and preserve the integrity of your original documents. Compatible across nearly all Windows platforms, if you can print from a windows application you can use pdfMachine.
Get yours now!